गड़िया में डीएम-एसपी ने राहत कैंप
ढ़ पीड़ितों के साथ खाना खाकर दर्द जा

र में बढ़ोतरी से
खतरे के निशान
, घर छोड़ पलायन
लोग

ाढ़ पीड़ितों को
ुहैया करवाने के
शासन ने कसी

खगड़िया

का दर्द जानने के लिये
बाढ़ से घिरे इलाके
ें पहुंचे. जहां डीएम-
ी पहल करते हुए बाढ़
थ सरकारी राहत कैंप में
ाया, लोगों से बातचीत
ुख-दर्द को दूर करने
दिलाया. जिलाधिकारी
ार व पुलिस कप्तान
की इस दरियादिली की
सराहना करते हुए कहा
की घड़ी में मदद के
लोगों को काफी राहत
दें कि बाढ़ के कहर से
ेघर हो गये हैं. बाढ़ से
में एक लाख से ज्यादा
हुए हैं. खगड़िया में
ख्य नदियों की गर्जना से
ों का पहाड़ टूट गया है.
कि राहत कैंप में बाढ़
र जैसा खाना खिलाने
या गया है. वे खुद पूरी
न की मॉनिटरिंग कर

**ी ने बाढ़ पीड़ितों
दिल** खगड़िया डीएम
र, एसपी मीनू कुमारी,
ओ अमन कुमार, गोगरी
ाषचंद्र मंडल, डीएसपी
दि ने सोमवार को गोगरी
ामपुर, गोगरी, बन्नी,
के बाढ़ग्रस्त इलाकों
लोगों का दर्द जाना.
गरी के रामपुर पहुंचकर
ड़ित के लिए बनाये गये
में बाढ़पीड़ितों के साथ
गड़बड़ी करने वालों को
ेया है. डीएम ने साफ
ह कि बाढ़पीड़ितों को
के लिये जिला प्रशासन
समें कोताही करने वाले
ा नहीं पायेंगे. गोगरी के
क में आई गंगा के बाढ़
ीब एक दर्जन जगहों पर
और राहत शिविर कैम्प
जहां अस्थाई शौचालय
सहित रहने-खाने की

गोगरी के रामपुर में राहत कैंप में बाढ़पीड़ितों के साथ खाना खाते डीएम-एसपी व अन्य.

बाढ़ की समस्या पर बात करते अधिकारी.

खतरे के निशान से ऊपर बह रही गंगा

गंगा मे उफान के चलते तबाही जारी है. जलस्तर के बढ़ोतरी मे सोमवार को और भी ज्यादा तेजी आई है. इससे अभी बाढ़ का खतरा टला नहीं है. जिस तरह से गंगा मे उफान है उससे जिले पर अभी भी बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. केंद्रीय जल आयोग ने बताया कि सोमवार को दोपहर दो बजे तक गंगा का जलस्तर39 .48 मीटर पहुंच गया था. गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 15 सेमी ऊपर है. उन्होंने बताया कि तीन घंटे के अंतराल पर एक से.मी. गंगा का पानी बढ़ रहा है. गंगा के रौद्र रुप को देख अभी पानी घटने का कोई संभावना नही दिख रही है. हालांकि प्रशासन द्वारा बाढ़ पीड़ितों को मदद पहुंचाने के लिये खोले गये राहत शिविरों मे रहने से लेकर खाने की व्यवस्था की गयी है.

परबत्ता के गोढ़ीयासी गांव मे डूबा विद्यालय.

भी व्यवस्था है. गोगरी एसडीओ सुभाषचन्द्र मंडल ने बताया कि बाढ़ पीड़ित के आश्रय स्थल में रहने तक शिविर चलाया जायेगा. मदद में कोई कोताही नहीं होगी.

पांच प्रखंडों में दिख रहा बाढ़ का असर

गोगरी अनुमंडल के दो प्रखंड गोगरी और परबत्ता में गंगा के उफान के चलते सहायक नदी गंडक और कोशी का भी जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है.कोशी में पानी बढ़ने के कारण बेलदौर और चौथम समेत अन्य गांवों में तबाही है. वहीं गोगरी के करीब एक दर्जन सड़क पर पानी चढ़ने के कारण आवागमन ठप हो गया है.

गोगरी नगर पंचायत के शारदा नगर, मीरगंज में भी गंगा मे उफान जारी है. बढ़ते जलस्तर को देख नगरवासी दहशत में हैं. सोमवार को नगर पंचायत के शहरी इलाके के कई नए मुहल्ले में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया. वहीं गंगा के तटीय इलाके रामपुर, गोगरी के झमादपुर, बौरना, इटहरी के भुड़ीया दियारा, बन्नी, भदलय आदि के सैकड़ों घरों में तो पांच फीट तक पानी है.

टापू में तब्दील हुए दियारा के कई गांव गंगा नदी में आये उफान से गोगरी और परबत्ता दियारे के निचले इलाके तो पूरी तरह जलमग्न हो ही गये हैं. अब बाढ़ का पानी तेजी से गांवों को भी चारों तरफ से घेरने लगा है. इससे दियारे के कई गांव बाढ़ के पानी से घिर कर टापू में तब्दील हो चुके हैं.

गोगरी के गोगरी इमादपुर, बन्नी, बौरना और रामपुर और इटहरी पंचायत के दर्जनों मुहल्ला में बाढ़ का पानी तबाही मचाना शुरु कर दिया है.रामपुर, गोगरी और बौरना की सड़क पर घुटना भर पानी से होकर लोग आने जाने को विवश हो गए हैं.गोगरी के विकास कुमार पांडेय और सोनू कुमार ने बताया कि रामपुर में करीब दर्जनों घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है. कुछ इसी तरह की समस्या बौरना में बने घरों में रहने वालों को है.

चारा हुआ महंगा, पशुपालकों की जेब हो रही खाली

तटबंध की
निगरानी

डीएम अनिरुद्ध कुमार ने
निगरानी करने का निर्दे
एक किलोमीटर मे 1-1
तैनात किये गये हैं. इस
दवा, पशु दवा, अनाज व
की व्यवस्था, सर्पदंश से
डायरिया की दवा व सुवि
शौचालय की व्यवस्था व

छोटे-छोटे बच्चे को दूध मिल
तो मेहरबानी होती

गंगा के कहर के बेदम बाढ़पीड़ित महिलाओं को अपने छोटे छोटे बच्चों की चिंता सता रही है. ऐसे मे कई महिलाओ ने डीएम से गुजारिश की है कि राहत कैंपो मे बच्चों के लिये दूध का इंतजाम हो जाता तो बहुत मेहरबानी होती. गोगरी के बौरना स्थित बाढ़ राहत कैंप के स्वास्थ्य शिविर भी है.एक महिला सुनीता देवी के गोद मे है घाव से पीड़ित पांच वर्षीया शिव कुमारी व बार-बार खांस रही तीन वर्षीया संजना

कुमारी. दोनों रोते-रो
प्रकाश सहनी की पत्नी
साढ़े तीन वर्ष के बेटे अ
करा रहे है. उसे सर्दी,
दम फुलने की शिकाय
बाद चिकित्सा दल दवा
इनकी पीड़ा केवल इत
सुरेश सहनी बताते है
खाना खा रहे है. लेकि
दूध का इंतजाम नहीं क

रहीमपुर गांव मे बाढ़ मे डूबी सड़क.

31 जगहों (स्कूलों/सामुदायिक भवन) पर सामुदायिक कि
निर्देश दिया गया है. जहां जरूरत होगी वहां कैंप खोला जाये
को सभी बाढ़पीड़ितों तक पहुंच कर राहत पहुंचाने का निर्देश दिया ग
बाहर निकालने के लिये 70 नाव लगाये गये है. बाढ़पीड़ितों के साथ
बना खाना खाने के पीछे यही उद्देश्य है कि आमलोगों को गुणवत्तायुक्त
अधिकारी रोज राहत कैंप मे जाकर बाढ़पीड़ितों के साथ खाना खाक
परख करेंगे. बाढ़पीड़ितों को राहत पहुंचाने मे किसी भी प्रकार की ल
वाले बख्शे नहीं जायेंगे. वह खुद पूरे राहत अभियान की मॉनिटरिंग

अ

बाढ़ के दौर में भूसे की किल्लत शुरू हो गयी है.गोगरी के भुड़ीया दियारा निवासी टुनटुन यादव बताते हैं कि बाढ़ से पहले वह 600 रुपये प्रति क्विंटल भूसा खरीदते थे, लेकिन अब उन्हें 800 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भूसा खरीदना पड़ रहा है. यहां तक

कुट्टी भी वर्तमान में
क्विंटल खरीदनी प
यह पहले 650 रु
की दर से बिकती थ
रुपये प्रति बोरी(39
बिकने वाला चोकर
में 770 रुपये प्रति ब

Tue, 24 September 2019
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/43935853

़ पीड़ितों के बीच नहीं चल रहा है सरकारी

ी पैदल पार करते पीड़ित.

निजी नाव के इंतजार में खड़े पीड़ित.

के लिये पीड़ितों को
ै कर
मट कर रह गयी है

ों के बीच सरकारी
. बाजहां जाइये वहां
नजर आ जायेगी.
े पहले उसका कर

लाल रंग का झंडा
ह है ताकि लोग दूर
कें कि वह सरकारी
तख्ती लगा होना
ह अंकित रहना है
ओर से निःशुल्क
ित स्थल अथवा
घाट पर सूचनापट्ट
श्यक है जिसमें
ा संचालन अवधि
ों की भार क्षमता
टर यान निरीक्षक
की निर्धारित भार
ना है. प्रशासनिक
र निःशुल्क सेवा
ावश्यक है. गोगरी
मिल रहा है. आम
र शुल्क कोई सेवा
रकारी आंकड़ों को
हैं तो वैसे भी गोगरी
ी आबादी के लिए
40 दुरुस्त नाव हैं.
के भरोसे होती
ं में कागज पर ही
ख्या जा रहा है. जो
या कराये गए हैं वह
ी तक सुरक्षित नहीं
ोंकि लंबी दूरी के
आवश्यकता होती है

बाढ़ पीड़ितों ने किया सलारपुर चौक पर प्रदर्शन

परबत्ता. प्रखंड में बाढ़ के कारण जहां हजारों लोग परेशान हैं, वहीं प्रशासन के द्वारा बाढ़ पीड़ितों ने प्रशासन के द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं को नाकाफी बताते हुए गुरुवार को कुल्हड़िया पंचायत के सैकड़ों की संख्या में लोगों ने सलारपुर मुख्य चौक पर सड़क को बाधित कर धरना पर बैठ गये. धरना पर बैठे पंचायत के पूर्व मुखिया अजय रंजन, नेता जयप्रकाश यादव, अमन कुमार, विभुति कुमार, लालू यादव ,पंकज कुमार, कुंदन शर्मा ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से कुल्हड़िया सहित आसपास के अन्य गांव बाढ़ से पूरी तरह प्रभावित है. सरकार के द्वारा घोषित व्यवस्था अब तक धरातल पर लोगों को नहीं मिल रहा है. आक्रोशित लोगों ने कहा कि वार्ड संख्या 8 में अब तक शिविर नहीं खुला है. पेयजल का भी अभाव है. कई बार प्रशासन को भी कहा गया. किसी ने ध्यान नहीं दिया. वहीं प्रदर्शन की सूचना मिलने के बाद परबत्ता सीओ चंद्रशेखर सिंह, बीडीओ रवि शंकर कुमार ने बाढ़ पीड़ितों से मिलकर उनको हर समुचित सुविधा उपलब्ध कराने का भरोसा दिया. ग्रामीणों ने कहा कि कुल्हड़िया पंचायत के 3 वार्ड पूरी तरह बाढ़ से प्रभावित है. यहां के लोग सड़कों एवं बांधों पर जैसे तैसे रहने को मजबूर है. अब तक इन लोगों के बीच प्लास्टिक शीट का वितरण नहीं हो पाया है. वहीं शौचालय व पेयजल की समस्या गंभीर बनी हुई है. मौके पर पहुंचे पदाधिकारियों ने जल्द सभी सुविधा मुहैया कराने की बात पर आक्रोशित लोग शांत हुआ.

आक्रोशित ग्रामीणों को समझाते पदाधिकारी.

पूर्व नगर सभापति ने बांटा सू

राहत सामग्री वितरण करते पूर्व नगर सभापति मनोहर कुमार या

खगड़िया. पूर्व नगर सभापति सह जाप किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश
कुमार यादव ने रहीमपुर दक्षिणी के इंग्लिश टोला, सौनवर्षा, म
बाढ़ पीड़ित परिवार को सूखा राहत वितरण किया. पूर्व नगर सभ
कि बाढ़ पीड़ित 600 लोगों के बीच सूखा राशन का वितरण किया
कि इन लोगों को कोई देखने वाला नहीं है ये लोग पिछले दस दि
के छत पर और छप्पर पर रह रहे हैं. भोजन बनाने की कोई व्यव
बताया कि सूखा राहत पैकेट मे दो किलो चूरा, आधा किलो मुढ़ी,
दालमोट, एक बिस्किट का पैकेट और एक लीटर पानी प्रत्येक प
जिला प्रशासन सूखे स्थान पर शरण लिये लोगों को कुछ राहत
बपथया रही है. इधर युवा शक्ति के जिलाध्यक्ष चंदन सिंह ने कह
समय रहता तो राहत बांटने वालों की कमी नहीं रहता. मौके पर
जिलाध्यक्ष किशोर दास, जाप नेता मनोज पासवान, आमिर खान
आर्या, वेद आशीष आदि मौजूद थे.

बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री वितरित

पीड़ितों के बीच राहत बांटते समाजसेवी.

गोगरी. प्रखंड के गोगरी पंचायत के इमादपुर और लतामबाड़ी में समाजसेवी मनीष कुमार यादव ने बाढ़ पीड़ित गांव विस्थापितों और प्रभावित लोगों के बीच चूड़ा, गुड़, ब्रेड, मोमबत्ती, दिया सलाई एवं दवा का वितरण किया.

अलौली में पंपसेट लगाकर निकाला जा रहा घर

अलौली. लगातार हुयी बारिश के बाद अलौली पंचायत के वार्ड संख्या 12 में पानी फैल गया. लोगों के घरों में पानी प्रवेश कर जाने के कारण निकलना मुश्किल हो गया. लोगों की शिकायत मिलने के बाद पूर्व प्रखंड प्रमुख संजीव कुमार, वार्ड सदस्य रामबालक मंडल, चीनीलाल यादव, शंभू यादव, नीतू यादव आदि लोगों ने जेसीबी लगाकर पानी निकासी के लिए नाला का निर्माण कराया. लोगों के सहयोग से पंप सेट लगाकर पानी निकाला गया. गुरुवार को पानी निकलते ही लोगों ने राहत की सांस ली. पूर्व प्रमुख संजीव कुमार व पूर्व मुखिया गजेन्द्र मंडल ने बताया कि वार्ड संख्या 12 व 4 में जयनंदन यादव के घर के समीप जलजमाव हो गया. लोगों को जनजीवन
इसीलिए पंप सेट
लोगों की मदद से
कराया गया.

जेसीबी से पानी निकासी कराते पूर्व प्रमुख संजीव कुमार.